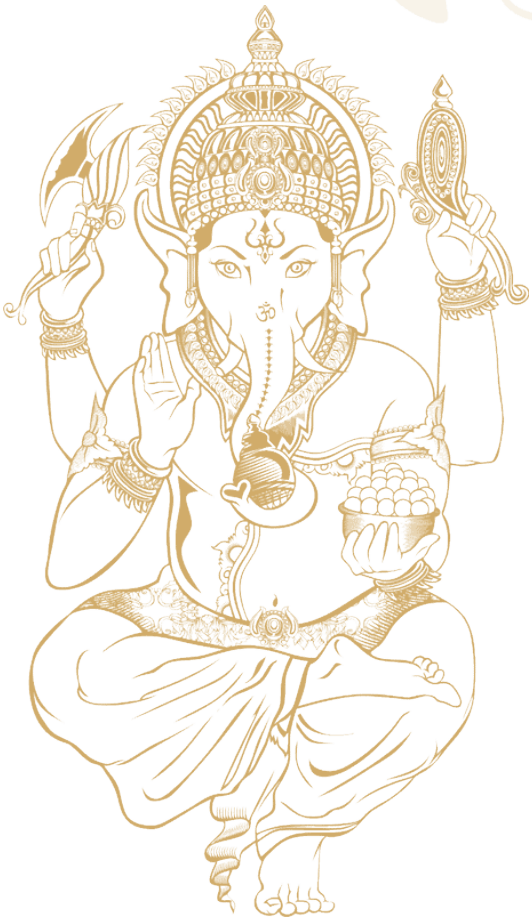

Parul

27 Sep 1985

08:35 AM

Delhi

Model: Varshphal-2017

Order No: 119348701

तिथि 27/09/1985 **समय** 08:35:00 **वार** शुक्रवार **स्थान** Delhi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:39:17
अक्षांश 28:39:00 उत्तर **रेखांश** 77:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:08 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	08:37:18 घं	गण	राक्षस
वेलान्तर	00:08:55 घं	योनि	अश्व
सूर्योदय	06:11:59 घं	नाड़ी	आद्य
सूर्यास्त	18:11:57 घं	वर्ण	शूद्र
चैत्रादि संवत	2042	वश्य	मानव
शक संवत	1907	वर्ग	मेष
मास	भाद्रपद	युँजा	अन्त्य
पक्ष	शुक्ल	हंसक	वायु
तिथि	14	जन्म नामाक्षर	सू-सुगन्धा
नक्षत्र	शतभिषा	पाया(रा.-न.)	रजत-ताम्र
योग	शूल	होरा	चंद्र
करण	गर	चौघड़िया	लाभ

विंशोत्तरी
राहु 1वर्ष 3मा 11दि
बुध
07/01/2022
08/01/2039

बुध	05/06/2024
केतु	02/06/2025
शुक्र	02/04/2028
सूर्य	07/02/2029
चन्द्र	09/07/2030
मंगल	06/07/2031
राहु	23/01/2034
गुरु	29/04/2036
शनि	08/01/2039

योगिनी
धान्या 0वर्ष 2मा 17दि
भ्रामरी
14/12/2021
14/12/2025

भ्रामरी	25/05/2022
भद्रिका	14/12/2022
उल्का	15/08/2023
सिद्धा	25/05/2024
संकटा	14/04/2025
मंगला	25/05/2025
पिंगला	14/08/2025
धान्या	14/12/2025

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			10:41:50	तुला	स्वाति	2	राहु	शनि	---	0:00			
सूर्य			10:18:11	कन्या	हस्त	1	चंद्र	चंद्र	सम राशि	1.14	ज्ञाति	पितृ	मित्र
चंद्र			19:03:05	कुंभ	शतभिषा	4	राहु	चंद्र	सम राशि	1.32	आत्मा	मातृ	जन्म
मंगल			17:08:45	सिंह	पू०फाल्गुनी	2	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि	1.03	अमात्य	भ्रातृ	साधक
बुध		अ	13:45:58	कन्या	हस्त	2	चंद्र	राहु	उच्च राशि	1.16	भ्रातृ	ज्ञाति	मित्र
गुरु	व		13:31:49	मक	श्रवण	2	चंद्र	राहु	नीच राशि	0.95	मातृ	धन	मित्र
शुक्र			12:27:03	सिंह	मघा	4	केतु	बुध	शत्रु राशि	1.15	पुत्र	कलत्र	प्रत्यारि
शनि			00:51:00	वृश्चि	विशाखा	4	गुरु	मंगल	शत्रु राशि	0.95	कलत्र	आयु	सम्पत
राहु	व		15:58:13	मेष	भरणी	1	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि		---	ज्ञान	साधक
केतु	व		15:58:13	तुला	स्वाति	3	राहु	शुक्र	सम राशि		---	मोक्ष	जन्म

लग्न-चलित

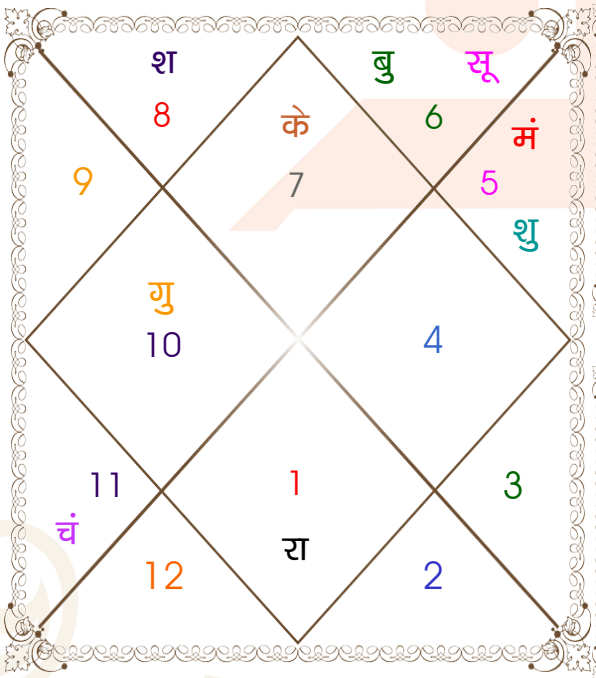

चन्द्र कुंडली

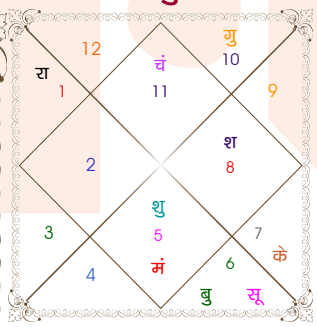

नवमांश कुंडली

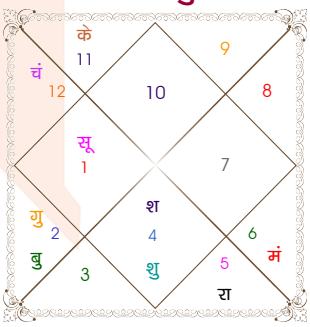

सर्वाष्टकवर्ग

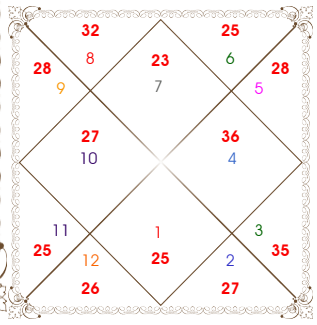

दशमांश कुंडली

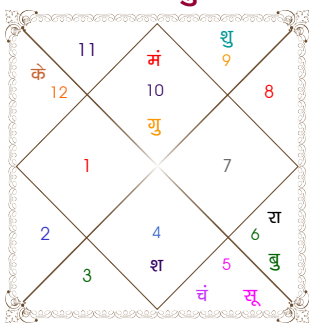

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आप के लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। मानसिक स्थिति इस समय सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं व्याकुलता का भाव मन में बना रहेगा। शत्रु तथा विरोधी प क्ष यदा कदा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगा परन्तु स्वबुद्धिबल से आप उनका दमन करने में समर्थ रहेंगे। लेखन एवं अध्ययन के प्रति इस वर्ष में आप परिश्रम शील रहेंगे साथ ही कलाओं का ज्ञान भी न्यूनाधिक मात्रा में अर्जित कर सकेंगे। इस वर्ष में आप अपने व्यवहार के द्वारा अन्य जनों पर सामान्य प्रभाव डालने में समर्थ हो सकेंगे। साथ ही समयोचित तत्काल प्रत्युतर देने में आप चतुराई का प्रदर्शन करेंगे। गणित या अन्य ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में भी आपको किंचित सफलता इस वर्ष में प्राप्त हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष सामान्य ही रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति होगी परन्तु उसमें परिश्रम की अधिकता रहेगी। साथ ही लाभ मार्ग में भी यदा कदा व्यवधान उत्पन्न होंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु इसमें विलम्ब तथा रूकावटें आएंगी। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से भी आपके संबंध मध्यम ही रहेंगे। अतः इनसे भी कोई विशेष लाभ या सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी संतोषप्रद ही रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में ही धनार्जन होगा। साथ ही सामाजिक मान सम्मान प्रतिष्ठा एवं यश भी सामान्य ही रहेगा तथापि न्यूनाधिक मात्रा में सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए आप का यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने सांसारिक महत्व के कार्यो को सम्पन्न करेंगी तथा इनमें अधिकाशं कार्यो में आपको सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति उत्तम रहेगी तथा मन में शान्ति तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। इस वर्ष में मित्र तथा बन्धु वर्ग से आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ अर्जित होगा तथा परस्पर संबंधों में भी मधुरता रहेगी । साथ ही आप भी उनके हित के लिए पूर्ण तत्पर रहेंगी । इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे साथ ही वांछित भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में भी आप समर्थ रहेंगी तथा आनन्द पूर्वक इसका उपभोग करेंगी । आर्थिक रूप से भी आपकी सुदृढ़ता बनी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा तथा ऐश्वर्य से आप सुसम्पन्न रहेंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में भी आप उन्नति एवं सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगी । इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा या किसी नवीन कार्य को आप प्रारम्भ करेंगी। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी । साथ ही आपके उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आप इच्छित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगी । इस वर्ष में आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको इच्छित सम्मान प्रदान करेंगे। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा शान्त रहेंगी। इस समय आप में बल एवं उत्साह के भाव की अधिकता रहेगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह एवं परिश्रम से सम्पन्न करेंगी फलतः इनमें आपको वांछित सफलता प्राप्त होगी। सामाजिक क्षेत्र में भी इस समय आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा दूर दूर तक यश भी व्याप्त होगा। इससे सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे एवं आपको उचित आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे। मित्रों संबधियों तथा बन्धुवर्ग से भी इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा एवं उनसे आप लाभ अर्जित करने में भी समर्थ रहेंगी। मिष्ठान्न के प्रति आपकी अधिक रूचि रहेगी तथा समय समय पर रूचि पूर्वक आप इनका भक्षण करेंगी।

इस वर्ष में उच्चाधिकारी वर्ग या राजनैतिक नेताओं से आपको आश्रय मिलेगा तथा उनसे पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगी फलतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगी।इस समय आपके आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। इसके अतिरिक्त पति एवं पारिवारिक जनों से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग मिलेगा जिससे पारिवारिक तथा दाम्पत्य सुख में मधुरता रहेगी तथा आपका समय शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगी तथा मानसिक शान्ति तथा सन्तुष्टि भी बनी रहेगी । इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस वर्ष में भ्रातृवर्ग से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपके प्रति उनके मन में प्रबल स्नेह का भाव रहेगा।आप अपनी ओर से उनके भलाई के कार्य करने में संलग्न रहेंगी। इस वर्ष में आपके समस्त सांसारिक कार्य पूर्ण होंगे जिससे आपके मन में शान्ति रहेगी। साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे तथा विगत रूके हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सिद्धि प्राप्त होगी। संतति पक्ष के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा तथा उनसे आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अपने अपने क्षेत्र में वे सफलता अर्जित करते रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ फलदायक रहेगा इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों से आपके सम्पर्क स्थापित होंगे एवं इनसे आप वांछित लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में समर्थ रहेंगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी पदोन्नति की संभावनाएं बढ़ेंगी तथा समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी एवं लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। व्यापार में भी आपके लाभ एवं उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे तथा किसी नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ कर सकती है। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस समय सुदृढ़ रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा तथा आपका समय सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

प्रथम मास

27/09/2025 14:31:42 से 27/10/2025 22:11:42 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	00:41:51
सूर्य		कन्या	हस्त	10:18:11
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	11:25:09
मंगल		तुला	स्वाति	09:11:12
बुध		कन्या	हस्त	21:07:17
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	27:47:18
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:23:47
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	03:49:01
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:59:33
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	23:59:33
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	10:41:50

मासाधिपति

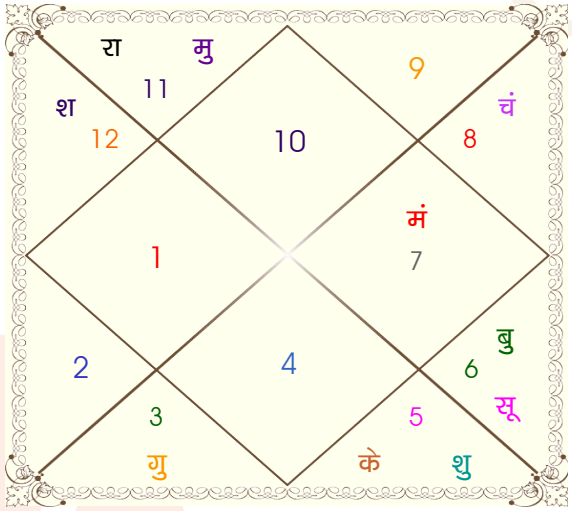

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप अपने ही उत्साह के द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगी। साथ ही समाज से आपको पूर्ण यश तथा मानप्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी तथा बन्धुवर्ग एवं मित्रों से भी आप पूर्ण सम्मान अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय उच्चाधिकार प्राप्तवर्ग से आश्रय प्राप्त करेंगी एवं मिष्ठानोपभोग करने में भी रुचिशील रहेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं बल की इसमें वृद्धि होती रहेगी। इस समय शत्रु भी आपसे पराजित होंगे एवं भय की भी वे अनुभूति करेंगे। साथ ही व्यापार आदि कार्यों में भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगी। इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगी।

इसके साथ ही इस मास में आप पति से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी। आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा पूर्णरूपेण धनलाभ अर्जित करके धर्म का अनुपालन करेंगी तथा समाज में कीर्ति तथा सम्मान भी प्राप्त होगा।

द्वितीय मास

27/10/2025 22:11:42 से 26/11/2025 18:26:10 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	21:28:29
सूर्य		तुला	स्वाति	10:18:11
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:44:18
मंगल		वृश्चिक	विशाखा	00:11:29
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	03:55:05
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:34:00
शुक्र		कन्या	हस्त	22:58:10
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:47:11
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:50:52
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:50:52
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	13:11:50

मासाधिपति

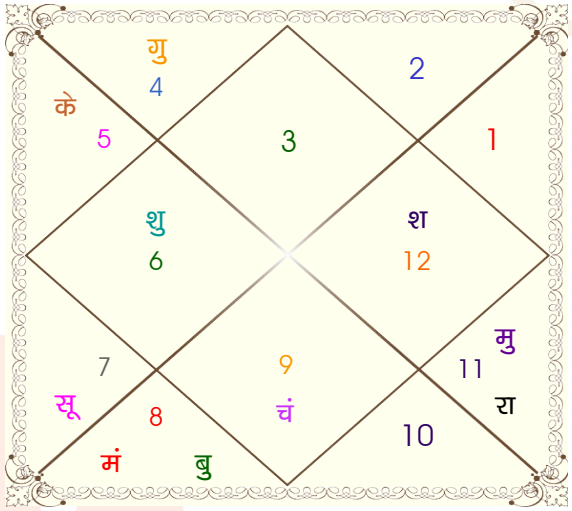

मासाधिपति : शनि

इस मास में आपके लिए शुभ फल अधिक होंगे परन्तु अशुभ फल भी अल्प मात्रा में होते रहेंगे। इस समय धनार्जन पूर्ण मात्रा में होगा तथा आपके उच्चाधिकारी वर्ग या अन्य जन आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं संतुष्ट रहेंगे। आपके घर में इस समय कोई धार्मिक कार्य भी सम्पन्न होगा जिससे आपके मन में धर्म के प्रति श्रद्धा में वृद्धि होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का भी आप यथोचित सम्मान तथा पूजन करेंगी। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न रहेंगी एवं उनसे पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्य भी आप प्रारम्भ करेंगी। साथ ही इस समय यात्रा से भी लाभार्जन कर सकती हैं। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप मान सम्मान अर्जित करेंगी तथा मित्र एवं बन्धु वर्ग से भी आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप सर्वत्र माननीय एवं प्रतिष्ठित महिला समझी जाएंगी।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी होंगे। अतः आप किंचित मात्रा में वायु द्वारा उत्पन्न रोग से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी धन हानि की संभावना रहेगी अतः कार्यों को बुद्धिमतापूर्वक सम्पन्न करें।

तृतीय मास

26/11/2025 18:26:10 से 26/12/2025 07:07:50 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	मृगशिरा	27:01:48
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	10:18:11
चन्द्र		मकर	श्रवण	19:35:59
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:46:31
बुध	व	तुला	विशाखा	27:26:42
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:33:55
शुक्र		वृश्चिक	विशाखा	00:22:13
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:56:24
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:08:44
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	20:08:44
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	15:41:50

मासाधिपति

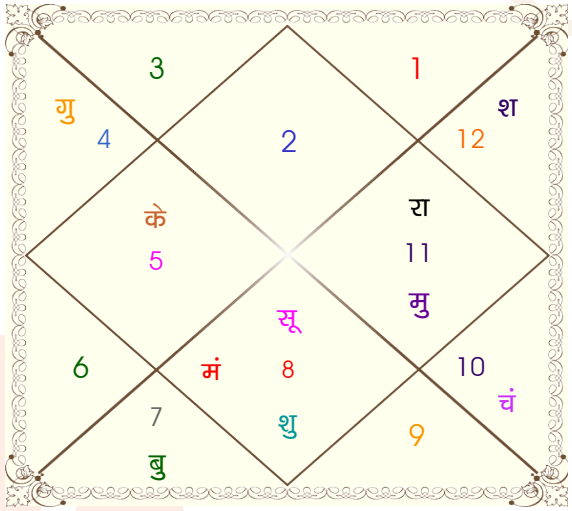

मासाधिपति : शनि

इस मास में आप अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय आपके उच्चाधिकारी तथा वरिष्ठ सहयोगी जन आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आप प्रोन्नत भी हो सकती हैं।मित्रों एवं बन्धुजनों से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी एवं उनकी भलाई के लिए कार्यों को करने में रूचिशील रहेंगी।आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सम्पन्न होंगे तथा मानसिक रूप से आप प्रसन्न रहेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी एवं उनकी पूजा एवं सेवा करने में आप तत्पर रहेंगी। इस समय समाजिक जनों में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा समाज में यश भी प्राप्त होगा साथ ही अन्य प्रकार से भी धन एवं लाभ अर्जित करने में आप सफल रहेंगी इसके अतिरिक्त पिछली असफल आशाओं में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही इस मास में आप पति एवं पुत्रों से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी एवं बुद्धि में भी निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या स्वर्णादि के आभूषणों को अर्जित करने में भी सफल होंगी। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही अनुकूल तथा शुभ रहेगा।

चतुर्थ मास
26/12/2025 07:07:50 से 24/01/2026 17:59:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	08:21:11
सूर्य		धनु	मूल	10:18:11
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	18:58:41
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	13:55:58
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:29:24
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	27:53:29
शुक्र		धनु	मूल	07:31:11
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:37:40
राहु		कुम्भ	शतभिषा	17:01:39
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	17:01:39
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	18:11:50

मासाधिपति

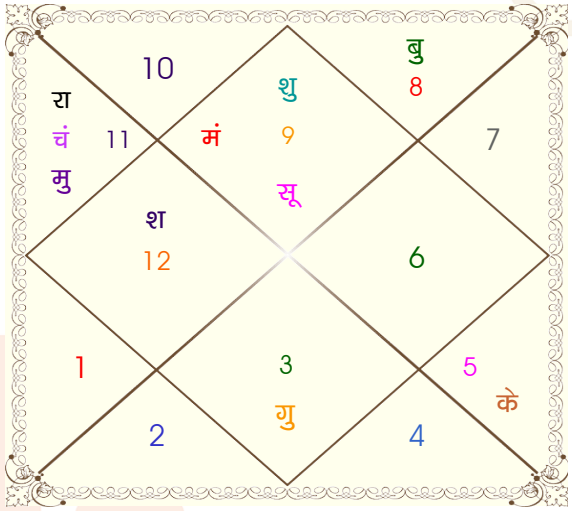

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप उत्तम एवं शुभ फलों को अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगी तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल सिद्ध होंगी। साथ ही समाज में आपकी यश तथा प्रतिष्ठा भी दूर दूर तक व्याप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करने के लिए प्रवृत रहेंगी। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी आप कार्य करती रहेंगी। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय एवं सहयोग प्राप्त करेंगी। इससे आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस समय मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आप वांछित सहयोग प्राप्त करेंगी तथा उन्हें अपनी सहायता प्रदान करेंगी। इसके अलावा आप अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी समर्थ रहेगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा बुद्धि में भी निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। नाना प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग करेंगी तथा धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी जिसके फलस्वरूप आप घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन कर सकेंगी। इस प्रकार यह मास आपके लिए सुख दायक रहेगा।

पंचम् मास
24/01/2026 17:59:13 से 23/02/2026 09:09:06 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	12:21:56
सूर्य		मकर	श्रवण	10:18:11
चन्द्र		मीन	रेवती	18:46:47
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:39:39
बुध		मकर	श्रवण	12:14:17
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:01:23
शुक्र		मकर	श्रवण	14:33:48
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:42:38
राहु		कुम्भ	शतभिषा	15:10:25
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:10:25
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:41:50

मासाधिपति

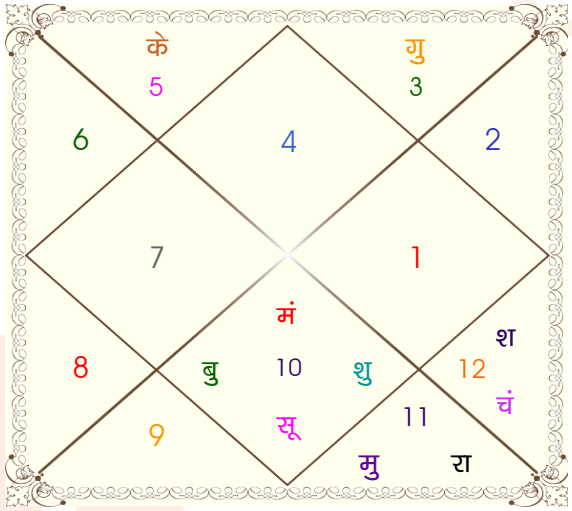

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप शुभाशुभ फलों को प्राप्त करेंगी तथा मध्यम रूप से आपका यह समय व्यतीत होगा। इस समय आपके शत्रु बलवान रहेंगे अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। साथ ही घर में चोरी आदि होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका व्यय भी अधिक होगा फलतः आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। साथ ही शारीरिक रूप से आप अस्वस्थ एवं परेशान रहेंगी जिससे शारीरिक बल में न्यूनता आएगी। इस प्रकार आप कई प्रकार से शारीरिक एवं मानसिक कष्ट प्राप्त करेंगी इस मास में आपकी दूर या समीप की यात्रा भी हो सकती है तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य विध्न बाधाओं के कारण पूर्ण रूप से सफल नहीं होंगे। इसके अतिरिक्त मुकद्दमे आदि में भी आपके धन का अपव्यय हो सकता है। अतः बुद्धिमता से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगी तथा इस समय पति एवं पुत्र से आप पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगी ।नवीन वस्त्र या आभूषण आदि की भी प्राप्ति हो सकेगी जिससे आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

षष्ठ मास

23/02/2026 09:09:06 से 25/03/2026 09:44:55 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	26:59:19
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	10:18:11
चन्द्र		मेष	भरणी	22:18:00
मंगल		मकर	धनिष्ठा	29:54:43
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:32:21
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:16:47
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:41:36
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:48:41
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:45:19
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:45:19
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:11:50

मासाधिपति

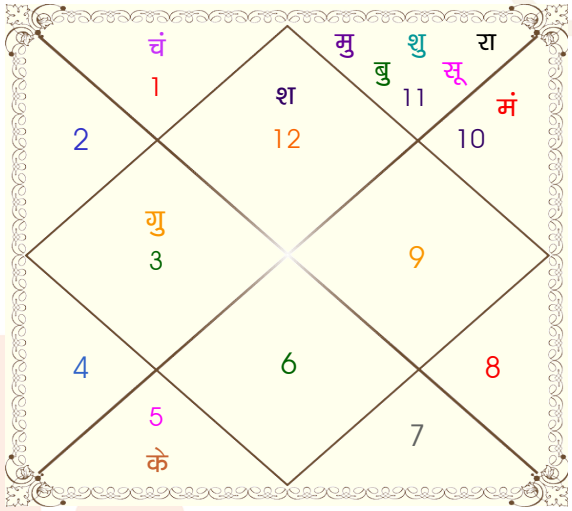

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप शुभ तथा अशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगी जिसमें अशुभ फल अधिक मात्रा में होंगे। अतः इस समय आप धन व्यय अधिक मात्रा में करेंगी तथा दुष्ट जनों की संगति भी प्राप्त होगी। साथ ही आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस मास में आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम एवं पराक्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे फलतः मानसिक रूप से भी अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी धन की हानि होने की संभावना है। मित्रों एवं संबधियों से आपके संबध अच्छे नहीं रहेंगे न ही उनसे कोई विशेष सहयोग प्राप्त होगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगी उसमें अनावश्यक रूप से विध्न बाधाएं आएंगी तथा शत्रु पक्ष से भी इस समय आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपके महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सिद्ध नहीं होंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप श्रेष्ठजनों एवं उच्चाधिकारी वर्ग से लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगी तथा आपके कार्य क्षेत्र में भी विस्तार की संभावनाएं बनेगी। आप इस समय यात्रा भी कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या वस्तुओं को भी आप इस मास में अवश्य ही प्राप्त करेंगी।

सप्तम् मास
25/03/2026 09:44:55 से 24/04/2026 22:34:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	13:38:50
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	10:18:11
चन्द्र		मिथुन	मृगशिरा	02:03:10
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:32:49
बुध		कुम्भ	शतभिषा	15:09:02
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:10:47
शुक्र		मीन	रेवती	29:00:06
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	10:28:18
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:29:16
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:29:16
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:41:50

मासाधिपति

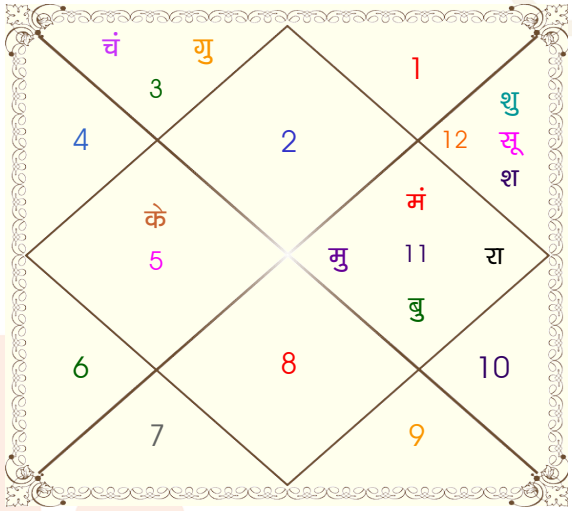

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप अपने कार्यक्षेत्र में आशातीत उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में पूर्ण सफलता अर्जित करेंगी। साथ ही आपके उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे अतः आप पदोन्नति भी प्राप्त कर सकती हैं। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगी तथा उनकी भलाई के लिए भी तत्पर रहेंगी। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा शान्त रहेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इस मास में समाज में आपके प्रभुत्व तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपके यश में भी विस्तार होगा साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभ योग बनते रहेंगे। इस समय आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति भी कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त विगत असफल अशाओं में भी आप सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगी तथा पुरुषवर्ग से भी लाभ हो सकता है। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ या सुखार्जन करने में सफल रहेंगी तथा धर्म में आपकी श्रद्धा रहेगी एवं समाज में यथोचित मान सम्मान प्राप्त होगा। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अष्टम् मास
24/04/2026 22:34:09 से 25/05/2026 23:11:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:48:34
सूर्य		मेष	अश्विनी	10:18:11
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	17:59:04
मंगल		मीन	रेवती	17:18:56
बुध		मीन	रेवती	20:35:01
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:51:11
शुक्र		वृष	कृतिका	06:26:00
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:11:56
राहु		कुम्भ	शतभिषा	13:06:58
केतु		सिंह	मघा	13:06:58
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:11:50

मासाधिपति

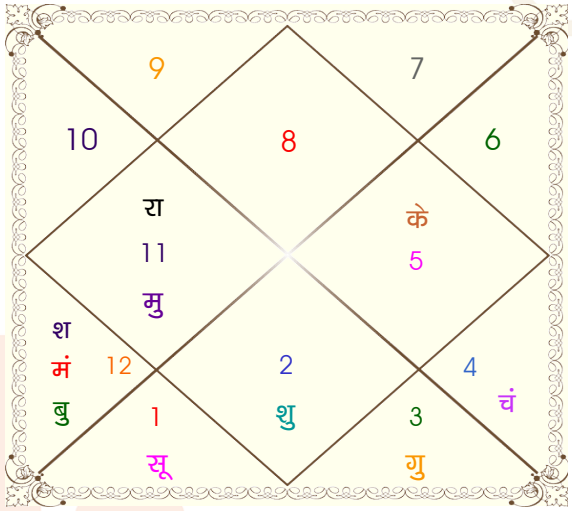

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप अशुभ फलों को ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी जिससे आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करती रहेंगी। इस समय आपके दुश्मन बलवान रहेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगी। इस मास में आपकी नौकरी या व्यापार में मंदी आयेगी तथा अनावश्यक बाधाएं भी उत्पन्न होंगी जिससे आर्थिक रूप से भी आप परेशान होंगी। इसके साथ ही आपका कोई जीविका संबधी कार्य बंद होगा या उसमें कोई परिवर्तन होगा। समाज में लोगों से भी आपके विवाद तथा संघर्ष होते रहेंगे अतः आपके सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि एवं शरीर में किसी रोग के उत्पन्न होने की भी संभावना रहेगी।

साथ ही इस मास में आप ठण्ड या बात से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगी। इस समय आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिससे बाद में पछताना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि द्वारा भी आपको किसी प्रकार की हानि पहुँच सकती है। अतः इस मास में सोच समझकर अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

नवम् मास

25/05/2026 23:11:58 से 26/06/2026 07:55:27 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:18:52
सूर्य		वृष	रोहिणी	10:18:11
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	07:24:58
मंगल		मेष	अश्विनी	10:52:25
बुध		वृष	रोहिणी	23:17:07
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:40:57
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	13:44:57
शनि		मीन	रेवती	17:27:58
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	10:25:58
केतु	व	सिंह	मघा	10:25:58
मुंथा		मीन	पू०भाद्रपद	00:41:50

मासाधिपति

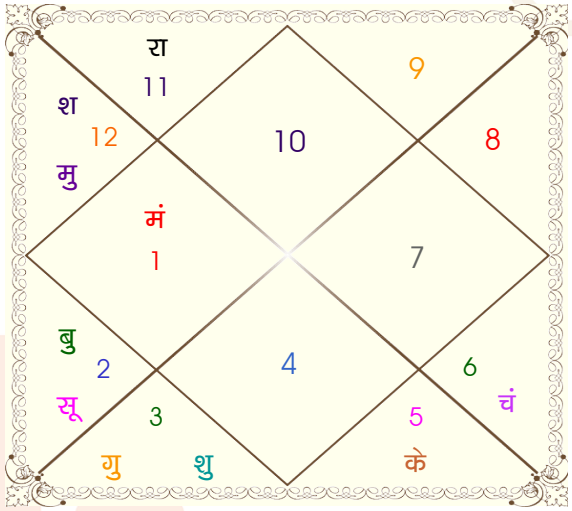

मासाधिपति : मंगल

इस महीने में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से धन अर्जित करेंगी तथा विभिन्न प्रकार से सुखोपभोग करने में भी समर्थ रहेंगी। सामाजिक जनों से इस मास में आपको पूर्ण यश तथा प्रतिष्ठा मिलेगी एवं सभी लोग आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करती रहेंगी। इसके साथ ही दूसरे लोगों के परोपकार संबधी कार्य भी आपके द्वारा सम्पन्न होंगे। लेकिन शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफलता प्राप्त करेंगी। आपके बन्धु एवं मित्रों से इस समय मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपकी इच्छाएं भी इस समय में पूर्ण होंगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होगा।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे। अतः आप शीत से उत्पन्न होने वाले रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप न्यूनाधिक मात्रा में हानि प्राप्त कर सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

दशम् मास
26/06/2026 07:55:27 से 27/07/2026 18:38:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	11:53:29
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	10:18:11
चन्द्र		तुला	विशाखा	27:41:58
मंगल		वृष	कृतिका	03:49:59
बुध		कर्क	पुनर्वसु	01:31:17
गुरु		कर्क	पुष्य	04:53:24
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	20:23:04
शनि		मीन	रेवती	19:43:42
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	07:24:25
केतु	व	सिंह	मघा	07:24:25
मुंथा		मीन	पू०भाद्रपद	03:11:50

मासाधिपति

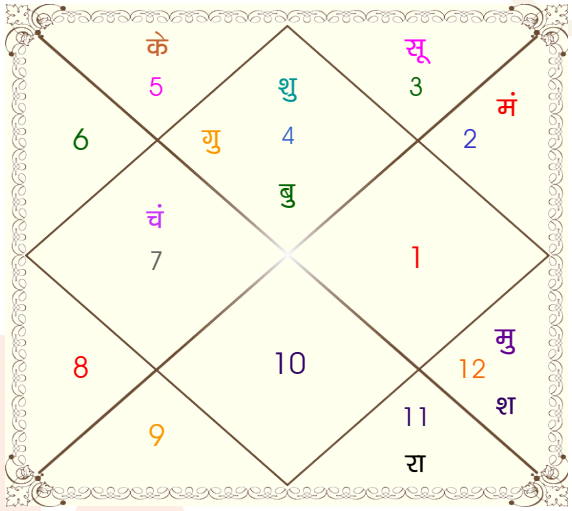

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप सौभाग्यशाली रहेंगी तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता प्राप्त करेंगी। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग एवं सामाजिक जन आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग भी प्राप्त करेंगी। इस मास में आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकती है। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा विधि पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करती रहेंगी।संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगी एवं बुद्धि में भी निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी जिससे आप के शुभ कार्य यथासमय सिद्ध होंगे।साथ ही भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय पूर्ण होंगे। इस समय आपकी लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके यथोचित मान सम्मान की प्राप्ति होगी तथा मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस प्रकार सर्वत्र आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगी तथा अपने बुद्धिबल से वांछित धन एवं सुख भी प्राप्त करेंगी। धर्म के प्रति भी श्रद्धालु रहेंगी तथा समाज में आप एक सम्माननीया महिला समझी जाएंगी।

एकादश मास

27/07/2026 18:38:58 से 28/08/2026 00:41:04 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	01:21:58
सूर्य		कर्क	पुष्य	10:18:11
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:24:07
मंगल		वृष	मृगशिरा	25:49:04
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	22:42:50
गुरु		कर्क	पुष्य	11:44:42
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	25:09:50
शनि	व	मीन	रेवती	20:31:07
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:43:56
केतु	व	सिंह	मघा	05:43:56
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	05:41:50

मासाधिपति

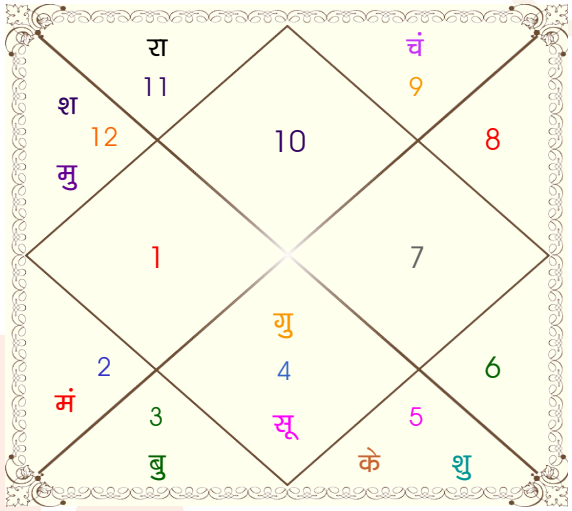

मासाधिपति : गुरु

इस महीने में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी अल्प मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम के द्वारा धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगी तथा विविध प्रकार से सांसारिक सुखों का भी प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगी। समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथा योग्य सम्मान प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करती रहेंगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मान सम्मान की प्राप्ति होती रहेगी साथ ही समाज के अन्य लोंगो की भी भलाई करती रहेंगी। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय तथा सम्मान प्राप्त होगा एवं आपके शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः आप मानसिक रूप से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी से उत्पन्न होने वाले रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी तथा रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः शारीरिक सुरक्षा का इस मास में पूर्ण ध्यान रखें तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

द्वादश मास

28/08/2026 00:41:04 से 27/09/2026 20:44:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	00:51:56
सूर्य		सिंह	मघा	10:18:11
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	05:50:06
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	16:29:05
बुध		सिंह	मघा	10:23:29
गुरु		कर्क	आश्लेषा	18:34:47
शुक्र		कन्या	चित्रा	25:28:51
शनि	व	मीन	रेवती	19:40:26
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:36:35
केतु	व	सिंह	मघा	05:36:35
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	08:11:50

मासाधिपति

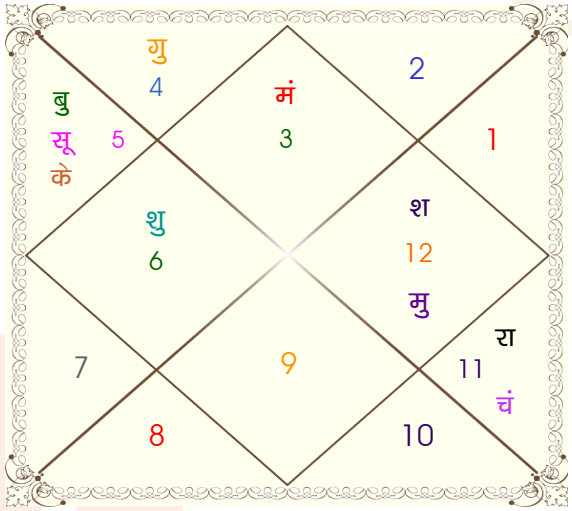

मासाधिपति : शनि

इस महीने में आप अपने कार्य क्षेत्र में आशातीत सफलता अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही आपके उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सहयोग तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। फलतः आप उन्नति की ओर अग्रसर होंगी। अपने बन्धुओं तथा मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही समाज में अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को सम्पन्न करने में भी आप तत्पर रहेंगी।आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी मास में सम्पन्न होंगे अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप उनकी सेवा करेंगी। इस समय समाज में सर्वत्र आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका आदर करेंगे। आपकी कीर्ति भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगी तथा अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आपको नवीन गृह की प्राप्ति या कोई स्थान परिवर्तन हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगी तथा आप नवीन वस्त्र या स्वर्णादि के आभूषण भी प्राप्त करेंगी। अतः प्रसन्नता पूर्वक आपका यह समय व्यतीत होगा।